नयी शुरुवाद के लिए सुसमाचार आउटरीच

प्रिय

हम आपको यह बात समझाना चाहते है कि आप ज़िन्दगी के जिस भी पढ़ाव पर खड़े है, उसके बावजूद प्रभु आपसे प्रेम करता है और आपकी ज़िन्दगी के लिए उसकी एक विशेष योजना है। उसने आपको अब तक संभालकर हैं। मैं शुक्रगुज़ार हूँ कि मुझे आपके लिए यह पत्र लिखने का अवसर दिया गया। यदि आप पहले ही यीशु मसीह को अपना उधारकर्ता मान चुके है तो हम आपके के लिए बेहद्द आनंदित हैं। और यदि आपने यह निर्णय नहीं लिए है तो आज आपसे मैं अनुरोध करता हूँ कि आप मनुष्य की छोटी सी ज़िन्दगी और उसकी गंभीरता के विषय पे विचार करें। वचन यह कहता है, "तू मनुष्यों को धारा में बहा देता है; वे स्वप्न से ठहरते हैं, वे भोर को बढ़ने वाली घास के समान होते हैं। वह भोर को फूलती और बढ़ती है, और सांझ तक कट कर मुर्झा जाती है" (भजनसहिता ९०:५,६)। "हम को अपने दिन गिनने की समझ दे कि हम बुद्धिमान हो जाएं" (भजनसहिता ९०:१२)

ज़िन्दगी की सबसे बड़ी ख़ुशी यीशु को अपना मसीहा स्वीकार करने में छिपि हैं। यीशु मसीह को ना जान पाना इस ज़िन्दगी और अनंत काल का सबसे बड़े दुख का कारण बन सकता है। "यदि मनुष्य सारे जगत को प्राप्त करे, और अपने प्राण की हानि उठाए, तो उसे क्या लाभ होगा? या मनुष्य अपने प्राण के बदले में क्या देगा?" (मत्ती १६:२६)।

यह बात समझना अत्यधिक आवश्यक है कि यीशु मसीह ने क्रूस के बलिदान के द्वारा मनुष्यों के लिए क्या किया है । बाइबिल में यह कहा गया है कि प्रभु यीशु की मृत्यु उनका हमारे प्रति प्रेम का सबसे विशेष उधारण है।

उन्होंने अपनी जान इसलिए दी ताकि हम उसकी उपस्थिति में अनंत काल तक जीवित रह सके। "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए"।(युहन्ना ३:१६)। यही सचा प्रेम है!

उदार एक वरदान है। ना हम उसे कमा सकते है और ना ही हम उसके लायक है। यह बात स्पष्ट रूप से बाइबिल में कई जगह लिखी गई है कि मनुष्य पापी है और वह स्वयं अपने आपको बचा नहीं सकता। यदि हम पाप के बारे में विचार करे तो २ महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में सोचना आवश्यक हैं।

पहला तथ्य यह है कि मनुष्य पाप को तुच्छ जानता है। पाप को ठुकराता है, मज़ाक उड़ाता एवं हँसी में उड़ा देता है। दूसरा तथ्य यह है कि यीशु मसीह पाप को बुहत बड़ा समझते है।

पवित्र शास्त्र कहता है “जो प्राणी पाप करे वही मरेगा” (यहेजकेल १८:२०)। पवित्र शास्त्र घोषित करता है “क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है”(रोमियो ६:२३)।

पिता ने अपनी करुणा के कारण अपने पुत्र यीशु मसीह को हमारे पापों के लिए बलिदान कर दिया और हमे स्वर्ग में स्थान एक उपहार के तोर पर देना चाहते है। “क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे”(एफिसियो २:८,९)।

क्या आप यह वरदान पाना चाहते है? यह वरदान आपको तब ही मिल सकता है यदि आप अपने पापों के लिए शमा मांगे, प्रभु यीशु को अपने दिल में आमंत्रित करें और उनके उदार पर भरोसा करें। “देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूँ; यदि कोई मेरा शब्द सुन कर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आ कर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ” (प्रकाशित ३:२०)।

यदि आप यह विश्वास करते है कि आपने एक प्रेमी और निष्पक्ष प्रभु के विरोध आपने पाप किया है और आप अनंत जीवन का वरदान पाना चाहते है तो आप हमारे साथ यह प्राथॅना करें:

हे प्रभु! मैं मानता हूँ कि मैं पापी हूँ और न्यायविधि के अधिन हूँ। अब मैं यह बात समझता हूँ कि आप मेरे स्थान पर क्रूस पे मारे गए और मेरे पापों को आपने अपने ऊपर ले लिए। आपके वचन में दिए गए अधिकार द्वारा मैं अपने पापों के लिए शमा माँगता हूँ और मुझे अपने पापों से शुद्ध करने की कामना करता हूँ ताकि मैं अनंत काल उपहार के रूप में पा सकु।

यदि आपने प्रभु यीशु मसीह को उधार्कर्ता के रूप में स्वीकार कर लिया हैं तो हम आपसे अनुरोद करते है की आप यह फॉर्म आगे लिखे गए पते पर भेज दीजिए। हम आपके उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

कलवारी के वजह से,

☐ मैंने उदार की प्राथना की और यीशु मसीह को उदारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

☐ मैं प्रभु से दूर हो गया था पर अब मैं फिर से अपनी ज़िन्दगी उसको समर्पित करना चाहता हूँ।

नाम:

पता: